

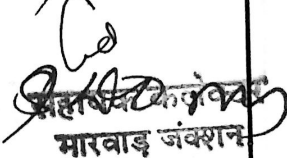
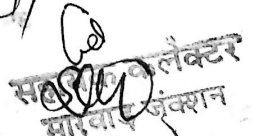

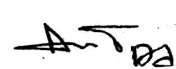
From No. III

फर्द अहकाम

(नियम - 26)

14/3
2/57

अज अदालत उपरवर्त उपस्थितकारी (मुकाम) माठ अठे
 इन्डाहिले श्री/श्रीमती दे राजपुत्र बनाम जमनी देवी श्री/श्रीमती
 किस्म मुकदमा 85, 184, 11/21381 नं. 11/2018 सन् etc.

तारीख हुक्मा	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर या तारीख अहकाम जो इस हुक्म का तामिल में जारी हुए।
1/1/18	<p>पञ्जावली आज R.A.A. महोदय पाली द्वारा हुए न्यायालय के आदेश के कपाल करते हुए पुनः सुनवाई हेतु भिजवाने पर पेम्प हुई। दर्ज रजिस्टर लेकर पञ्जावली को लाने दिया जाकर पञ्जावली को पदां दिनांक 22/2/18 को पेम्प हो।</p> <p style="text-align: right;">  सहायक जज मारवाड़ जंक्शन </p>	
22/2/18	<p>पञ्जावली आज पेम्प हुई। साक्षिका आदेश की धारणा की में आपदां दिनांक 14/3/18 को पेम्प हो।</p> <p style="text-align: right;">  सहायक जज मारवाड़ जंक्शन </p>	
14-3-18	<p>पञ्जावली आज पेम्प हुई। स. उ. उपर/लगा पञ्जावली सं. 1 के वकील उपर/को के व्यापारिक में लाने दिया जावे। पञ्जावली वाले लाने के लिये आपदां दिनांक 21/3/18 को पेम्प हो।</p> <p style="text-align: right;">  सहायक जज मारवाड़ जंक्शन </p>	<p>21/3/18</p> <p style="text-align: right;">  21/3/18 </p>

तारीख हुक्मा	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर या तारीख अहकाम जो इस हुक्म का तामिल में जारी हुए।
-----------------	------------------------------------	---

16/7/19

पतावली आज पेश हुई वकील प्रति. सं. 2 उपर।
 पतावली की पूर्व आदेशिका एवं सलज्ज दस्तावेजों
 का अवलोकन किया गया दिनांक 23/8/18 की
 आदेशिका अन्वय प्रकृत 500 पत्र अन्वय आदेश
 5 नियम 20 जरीम वकील प्रति. सं. 2, दिनांक
 28/5/19 को वकील प्रतिवादी सं. 2 द्वारा जरीम
 Not Press with draw किया गया अतः 500
 पत्र अन्वय आदेश 5 नियम 20 को खारिज किया
 जाता है। अधिवक्ता अभय प्रति न प्रतिवादी
 जमनी देवी की तरफ से वकालतनामा पेश किया
 जो शामिल पतावली है। मामी माननीय RAA - यमनाथ
 पानी ने आदेश दिनांक 13.01.12 तथा माननीय
 राजेश्वर मण्डल अन्वय के आदेश दिनांक 30/03/17
 की पालना में कमी परिकारान को जरीम नोटिस
 लखवा किया जावे। पतावली पाठ्य इन्वय नोटिस
 तामिली एवं अन्वय 500 पत्र अन्वय 0-26-R-9
 आदेश दिनांक 27/8/19 को पेश है।

198
7/8/19

सहायक कलेक्टर
 काठमांडू जेकरान

27/8/19

पतावली आज पेश हुई। वकील प्रति सं. 2 उपर।
 शेष परिकारान को प्रेषित नोटिस वर तामिल /
 तल्लीक प्राप्त हुए। वादी तथा प्रति सं. 2 के फौत
 की तल्लीक प्राप्त हुई प्रति सं. 1 व 3 के नोटिस
 अन्वय तामिल प्राप्त हुए। जबकि प्रति सं. 5 का
 नोटिस प्राप्त तामिल प्राप्त हुआ। पतावली की पूर्व
 आदेशिका तथा सलज्ज दस्तावेजों का अवलोकन में
 अध्ययन किया गया। अध्ययन में पाया गया कि
 पतावली पूर्व में दिनांक 05/05/11 को तत्कालीन
 प्रोबोलीन अधिकारी द्वारा निर्णित की गई जिसके
 विरुद्ध माननीय राजेश्वर मण्डल अधिकारी महोदय
 (RAA) में अपील की गई। माननीय RAA (पाली) द्वारा
 दिनांक 13/01/12 को प्रकरण/अपील में निर्णय पारित
 किया गया जिसमें तत्कालीन उपलब्ध अधिकारी
 के निर्णय को अपास्त करते हुए अपीलवाह जमनी
 देवी को आवश्मक परिकार (प्रतिवादी) बनाया जाकर Contd.

तारीख
हुक्मा

हुक्म या कार्यवाही मय इनिसियल्स जज

नम्बर या तारीख
अहकाम जो इस
का तामिल में जारी

पक्षकारान को सुनवाई का अवसर देते हुए तथा
उनको उपरोक्त न्यायालय में उपस्थित
देने हेतु निर्देशित करते हुए उक्त प्रेषित
क्रिया जमा। जिल्ला पालना में दिनांक 15/10
में तत्कालीन पीठाधीन अधिकारी द्वारा प्रकरण
द्वेष क्रिया जाकर सुनवाई की गई। जिल्ला में दोरान
दायल/विचारधन वाली अवका अवकाशत वाली
की उपस्थित दर्ज नहीं की गई। प्रकरण दिनांक
27/02/15 को तत्कालीन पीठाधीन अधिकारी द्वारा
अक पेशी अदन लजरी में खरीज किया गया।
वर्ष 2012 से 2015 के बीच प्रकरण में
जमनी देवी को आवश्यक पक्षकार (प्रतिवादी) के
रूप में संयोजित हुआ गया जमा। जो कि
दिनांक 21/05/12 को आदेशिका के जारी
होता है।

माननीय न्यायालय राजल्ल मडल अजमेर में
अपीला (मूल वाद में वाली) इ-रजिस्ट्रें जो कि
अपील में मूलक दर्शित किया गया है तथा अ-ध
अपीला नमबर नंबर 100 नूरजिस्ट्रें द्वारा
माननीय RAA के निर्णय के विरुद्ध अपील की
गई। जिल्ला में माननीय न्यायालय R.ड. अजमेर
में दिनांक 20/03/17 को निर्णय पारित किया
तथा RAA पार्लि के निर्णय को अभावत रखा जमा
लाय ही। न्यायालय राजल्ल अजमेर अधिकारी मजल्ल
के निर्णय दिनांक 27/2/15 को निरस्त किया
गया तथा पुनः नंबर पर लेने का आदेश प्रेषित
दिया गया। पक्षकारान को दिनांक 15/07/17 को
न्यायालय मजल्ल में उपस्थित देते हेतु निर्देशित
किया गया। माननीय RAA पार्लि द्वारा पत्रावली
जरीय पत्रांक 2242 दिनांक 28/12/17 को
न्यायालय में प्रेषित की गई जो कि न्यायालय राज
में दिनांक 03/11/18 को प्राप्त हुई। जिल्ला पालना
में दिनांक 10/11/18 को प्रकरण पुनः दर्ज किया गया।
पुनः दर्ज होने से लगाकर आदिनांक तक वाली पक्ष
अलासल अवका लकालतन पक्ष नहीं हुआ।

Contd.

तारीख
हुक्मा

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर या तारीख
अहकाम जो इस हुक्म
का तामिल में जारी हुए।

पुनःकारण की नोटिस बाबत लखत लखत पेश
करने हेतु प्रेषित करने पर वारी के फौत
की नददीक प्राप्त हुई। सम्पूर्ण कार्यवाही के
दौरान वारी पक्ष की तरफ से अपना अधिवक्ता
की तरफ ले कोई तथा वलाजनामा पेश नहीं
किया गया। पूर्व में निर्णित मूख वाद के अन्दर
वारी अधिवक्ता की लखत लिखे बाबत ही व
जिल्ल कारण नियमावली आदिनाम तक वाद में
वारी के अधिवक्ता के रूप में Stand रहे-ए
वारी अधिवक्ता आदिनाम तक अनुपस्थित
रहे तथा अ अ उनकी तरफ ले न ले वारी
के फौत की सुपना तथा न ही अने L.R.
की सुपना न्यायालय दाला में पेश की गई
है। बाब ही वकील द्वारा No-Instruction Plead
की नहीं किया गया है। जिल्ल अधिवक्ता लखत
लिखे बाबत ही लेगल अधिवक्ता Count होना
अतः वकील वारी (पूर्व में निर्णित वाद अनुसार)
को नोटिस भेजकर इस बाबत जवाब मंगा
जावे कि क्या वे दलाल उमरान में अधिवक्ता
निभुक्त हैं अथवा अने करत No-Instruction Plead
किया गया है। अथवा वारी के L.R की के वारे में
न्यायालय को अवात करके अथवा वाद में अफिन
कार्यवाही अमल में ले जाकेगी। पत्रावली आयते
दिनांक 27/9/19 को पेश है।

No Instruction
Plead begun
अनुपस्थित
Advoc.
28/9/19

सहायक कलेक्टर
मारवाड़ जंक्शन
(ने) मारवाड़

पत्रावली पेश हुई
आज पीठासीन अधिकारी महोदय,
अन्य कार्य से व्यस्त है/अमन पर है/
बेठक में पधारे हुए है/अवकाश पर है
अतः पत्रावली आवन्दा
दिनांक.../.../19..... को पेश हो।

27/9/19

२७
रिडर
उप खण्ड अधिकारी एवं मजिस्ट्रेट
मारवाड़ जंक्शन

तारीख हुक्मा	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर या तारीख अहकाम जो इस हुक्म का तामिल में जारी
1/11/19	<p> पतावली आज पेश हुई वकील उति लं. 2 उपर दिनांक 27/8/19 के आदेश की पालना में पतावली के मुख्य वारी के पूर्व नियत अधिवक्ता श्री सरदार सिंह बालूक को जारी नोटिस बलब किया गया जिसके प्रकृष्ट में अधिवक्ता ने दिनांक 20/9/19 को अतिरिक्त रूप से उपरिवात टाकर यह मौखिक निवेदन किया कि वारी पर ले अधिवक्ता का काफी लम्बे समय ले लाने नही देा है तथा साथ ही पतावली में No instruction Plead की लिखित रिप्ली की गयी जिसके फलस्वरूप अधिवक्ता सरदार सिंह बालूक वारी के अधिवक्ता के रूप में Stand नहीं करते हैं। कुंजी पूर्व में उचित Notice तथा माननीय न्यायालय राजस्व मण्डल अजमेर की रि. अपील एवं निर्णय ले यह स्पष्ट है कि वारी की फाँट पूर्व में हो चुकी है तथा फाँट होने के बाद ले आदिनांक तक वारी के विधिल वारिलान (L.R) न्यायालय में उपस्थित नही हुए हैं जिसके कुंजी विधिल अधिसूचना संखित 1908 के आदेश 22 नियम 3 में यह स्पष्ट है कि न्यायालय वारी की या रणमता उरली वारी की मुख्य हो जाती है, और बाद लाने का अधिकार बना रहता है वहा इस निमित्त आवेदन किये जाने पर न्यायालय मूल वारी के LR को पक्षकार बनाएगा और बाद चलेगा, किंतु आदिनांक तक इस बाबत किली भी उकार का कोई उपपत्त किली भी जारी द्वारा पेश नही किया गया है। जिसके फलस्वरूप एवं ले आदेश 22 नियम 3 (2) के अन्तर्गत उपपत्त पेश नही करने पर वार का उपशमन (abate) वहां तक हो जायेगा जहां तक मूल वारी का संबंध है। कुंजी आदिनांक तक वारी के विधिल वारिलान की एक से किली उकार का उपपत्त नही किली उकार का वमालनागत पेश किया गया है। अतः वारी के आवश्यक रूप में आवश्यक पक्षकार अर्थात् होने योग्य कोई विधिल वारिलान उपस्थित नही जिसके बाद में वारी पर के रूप में किली को संयोजित नही किया जा सकता है। </p>	

सहायक जज

Contd.

दिनांक

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर या तारीख
अहकाम जो इस हुक्म
का तामिल में जारी हुए।

पुनः दस्तावेज प्रकरण में कोई भी आवश्यक
पसकार बतौर वादी शेष नहीं रह जाता है
अतः प्रकरण को अगे चलाया जाता न्यायोचित
प्रतीत नहीं होता है।

अतः दस्तावेज प्रकरण में एक मात्र वादी की
मृत्यु के पश्चात एवं उनके विधिवत वारिदानों
की अनुपस्थिति व सूचना के अभाव में
लिखित प्रक्रिया संविदा 1908 के आदेश 22 नियम
3(2) के तहत स्वतः ही उपशमित (Abate)
विस्तृत वादी हो चुका है।

साथ ही आदेश 22 नियम 3(2) के CPC
के तहत संविदा में मृतक वादी के (सी इ-प्रॉबेट)
के लि-ही विधिवत वारिदान द्वारा उक्त वाद
में अपनी उपस्थिति दी जावे ता कि न्यायालय
उन्हें सुनवाई का उचित अवसर प्राप्त करने के
आदेश को पुरहित रखा जावे एवं स्वतः के
भी निर्देश विद्ये जाते हैं। अतः प्रकरण को एक मात्र
वादी की मृत्यु के पश्चात एवं विधिवत वारिदान की
अनुपस्थिति के कारण उपशमित (Abate) किया
जाता है। निम्नलिखित संख्या लेकर नम्बर के
कम है।

निर्णय पत्र इजलास आज दिनांक 11/11/19 को सुनाया
गया।

न्यायालय के कलेक्टर
आदेश के अनुसार

